# -: माता लक्ष्मी जी की आरती :-

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता

तुमको निशदिन सेवत,

मैया जी को निशदिन सेवत,

हरि विष्णु विधाता।

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

उमा, रमा, ब्रह्माणी तुम ही जगमाता,

मैया तुम ही जगमाता,

सूर्य, चन्द्रमा ध्यावत,

नारद, ऋषि गाता।

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

दुर्गा रूप निरंजनी, सुख सम्पत्ति दाता,

मैया सुख सम्पत्ति दाता,

जो कोई तुमको ध्यावत,

ऋद्धि-सिद्धि धन पाता।

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

तुम पाताल निवासिनि, तुम ही शुभदाता,

मैया तुम ही शुभदाता,

कर्म प्रभाव प्रकाशिनी,

भवनिधि की त्राता।

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

जिस घर में तुम रहती, सब सद्गुण आता,

मैया सब सद्गुण आता,

सब सम्भव हो जाता,

मन नहीं घबराता।

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता,

मैया वस्त्र न कोई पाता,

खान पान का वैभव,

सब तुमसे आता।

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

शुभ गुण मन्दिर सुन्दर क्षीरोदधि जाता

मैया सुन्दर क्षीरोदधि जाता,

रत्न चतुर्दश तुम बिन,

कोई नहीं पाता।

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई नर गाता,

मैया जो कोई नर गाता,

उर आनन्द समाता,

पाप उतर जाता।

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता,

तुमको निशदिन सेवत,

हरि विष्णु विधाता।

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

॥ मैया जय लक्ष्मी माता ॥

**-: माता लक्ष्मीजी की जय :-**